हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 15 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 24 एवं 25 फरवरी को

मण्डला। राज्य को विश्व पटल पर प्रदर्शित करने तथा प्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं पर चर्चा करने हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा 24 एवं 25 फरवरी 2025 को 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के आठवें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में किये जा रहे इस आयोजन का शुभारंभ 24 फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। आयोजन अंतर्गत 25 फरवरी 2025 को एमएसएमई स्टार्टअप समिट का आयोजन भी किया जा रहा है। समिट में एमएसएमई एवं स्टार्टअप सेक्टर से संबंधित उद्योग एवं व्यापार जगत के निवेशक, विशेषज्ञ, केंद्र एवं राज्य शासन के वरिष्ट अधिकारीगण तथा अन्य विशिष्टजन द्वारा सहभागिता की जायेगी। उक्त समिट के दौरान सहभागियों को एमएसएमई एवं स्टार्टअप सेक्टर से संबंधित नवीन तकनीक, नवाचार, विकास उद्यम संचालन हेतु नवीन वित्तीय आयाम, निवेश/फंडिंग के अवसर इत्यादि से अवगत कराया जाएगा। यह समिट मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए एक अनुकूल इकोसिस्टम विकसित करने तथा शासन और उद्योग जगत के बीच संवाद, सहयोग, साझेदारी एवं समन्वय स्थापित करने हेतु उचित मंच उपलब्ध करायेगा। उक्त समिट में भाग लेने हेतु https//register.investmp.in/dashboard/r/679d17f5d53e424d3e82fd2f लिंक पर पंजीयन कर इच्छुक व्यक्ति अपनी सहभागिता सुनिश्चत कर सकते हैं। उद्यमी द्वारा पंजीकरण किये जाने संबंधी कोई भी समस्या आने पर महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मण्डला से संपर्क एवं समन्वय किया जा सकता है।

नर्मदा नदी में मशीनों से रेत उत्खनन पर फूटा आक्रोश

प्रशासन ने खड़े किये हाथ, जनता करेगी न्याय?

*** हजारो ट्राली मिट्टी, मुर्रम डालकर अवरूद्ध की धारा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

शासन-प्रशासन एवं संतगण मंचों से जो प्रवचन देते हैं और जो व्यवहार में होता है उसमें बढ़ता विरोधाभाष अब लोगों के आक्रोश की वजह बनता जा रहा है एक ओर साक्षात माँ नर्मदा और उनके स्वरूप से होती छेड़छाड़ और दूसरी ओर घाटों की सुंदरता बढ़ाकर हम माँ नर्मदा की आरती कर कौन सा उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं सब कुछ हमारे अधिकार क्षेत्र में होने के बावजूद हमारे द्वारा कोई प्रयास न किया जाना हमें भी संदेह के घेरे में खड़ा करता है। माँ नर्मदा के स्वरूप से होती छेड़छाड़ न तो नर्मदा भक्तों को उद्वेलित कर पा रही है और न ही संतगणों को इसके विरूद्ध में आवाज उठाने मजबूर कर रही है। हम सब पूजा-पाठ में ही मग्न हैं और वे हैं कि माँ नर्मदा का आंचल छलनी किये दे रहे हैं।

माँ नर्मदा की बीच धारा में बड़ी-बड़ी मशीनें लगाकर रेत उत्खनन की जा रही है मशीनों तक बड़े-बड़े डम्फर धारा के बीच बनाये गये रास्तों के माध्यम से धमाचौकड़ी मचा रहे हैं। माँ नर्मदा की धार को ही अवरूद्ध कर दिया गया है और हम सब चुपचाप हैं लेकिन स्थानीय लोगों को अब यह अत्याचार बर्दाश्त नहीं हो रहा यही कारण है कि पिछले दिनों ग्रामवासियों ने रेत उत्खनन के विरूद्ध जोरदार प्रदर्शन किया।

वो जनता जो शासन-प्रशासन के प्रतिनिधियों को सर-आंखों पर बैठाती है उन्हें मान-सम्मान देती है लेकिन जब उनके द्वारा ही इस तरह से उनके आराध्य की अनदेखी हो रही हो तो जनता स्वयं न्याय करने निकल पड़ती है।

रेत ठेकेदार के गुर्गो द्वारा न केवल मनमाना उत्खनन किया जा रहा है बल्कि जहां से चाहा वहां से डम्फरों की आवाजाही की जा रही है फिर वह जगह वन विभाग की हो या फिर किसी किसान की कृषि भूमि हो। जिसने आपत्ति दर्ज कराई उसकी पिटाई कर दी गई, ग्रामीणों को जान से मारने की धमकी दी जाती है और तो और इन ग्रामीणों ने तो एक ट्रेक्टर चालक के अपहरण का भी आरोप इन बाहर के गुर्गो पर लगाया है। लगातार इनकी जबरदस्ती से परेशान इन ग्रामीणों की कोई नहीं सुन रहा आगे चलकर कहीं यह आक्रोश बड़ा रूप न धारण कर ले।

पिछले दिनों श्रद्धेय संत नर्मदा परिक्रमा करते हुये इसी क्षेत्र के नजदीक से गुजरे जब ग्रामीणों ने उनके काफिलों में दर्जनों पुलिस वालों और अधिकारियों को देखा तो उम्मीद जगी कि इन संत की वाणी से शायद प्रशासन कोई कार्यवाही करे। ये रेत उत्खनन के विरूद्ध बोलेंगे तो जिला प्रशासन को मजबूरन इस पर कार्यवाही तो करना ही पड़ेगी लेकिन संतों की तो महिमा ही निराली होती है जहां इनका काफिला रूका वहां फैली गंदगी को देखकर इन्होंने शासन-प्रशासन को थोड़ी ही देर में हिलाकर रख दिया आनन-फानन में जिले के अधिकारी इनके सामने हाथ जोड़ खड़े हो गये और देखते ही देखते पूरा परिसर साफ स्वच्छ करा दिया गया। जब इस पर कार्यवाही हो सकती है तो फिर रेत ठेकेदारों पर क्यों नहीं।

लोग नहीं चाहते कि शासन-प्रशासन कोई भी कदम नियम विरूद्ध उठाये या किसी व्यवसायी के विरूद्ध अनावश्यक ऐसा कार्य करे जिससे कि वह परेशान हो लेकिन जब टेण्डर के दौरान ही यह नियम स्पष्ट होता है कि किसी भी स्थिति में मशीनों के माध्यम से रेत का उत्खनन नहीं होगा, नर्मदा नदी के अंदर से रेत नहीं निकाली जायेगी, नर्मदा नदी के स्वरूप के साथ किसी तरह की कोई छेड़छाड़ नहीं की जायेगी, मध्यप्रदेश सरकार ने ही माँ नर्मदा को जीवंत इकाई घोषित किया है और हम सब माँ नर्मदा के आंचल में जीवनयापन करने वाले माँ नर्मदा को अपनी माँ समान मानते हैं ऐसे में यदि कोई उनके आस्तित्व के साथ छेड़छाड़ करता है तो हम सब नर्मदा भक्त इसे कैसें बर्दाश्त कर सकते हैं। किन्हीं मजबूरियों के चलते शासन-प्रशासन के लोगों के भी शायद हाथ बंधे हों लेकिन उनकी आत्मा भी यह गवारा तो नहीं करती होगी कि इस तरह खुले रूप से माँ नर्मदा के आस्तित्व के साथ खिलवाड़ हो और हम सब मौन बैठे रहें।

विद्यार्थी अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें-कलेक्टर श्री मिश्रा

*** सरस्वती विद्यालय पर हुई परीक्षा पर चर्चा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मण्डला में आयोजित परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकचेला शामिल हुए। विद्यार्थियो से चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि तनाव मुक्त परीक्षा एवं समय प्रबंधन पर दिया गया मार्गदर्शन विद्यार्थियों अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। विद्यार्थी अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें अगर असफलता भी मिलती है तो निराश ना हों। कलेक्टर ने कहा कि आगामी एक सप्ताह कड़ी मेहनत से पढ़ाई करें और कुछ समय के लिए स्वयं को सोशल मीडिया से दूर रखें। आज के समय में प्रतिस्पर्धा बहुत बढ़ गई है ऐसे में अपना धैर्य बनाए रखते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें और अपने माता-पिता, परिवार तथा शहर का नाम रौशन करें। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा जी ने भी भैया बहनों को परीक्षा के पूर्व तैयारी हेतु सोशल मीडिया और मोबाइल से बचने की सलाह दी जिसमें स्वयं से बचाव के लिए मोबाइल को दूर रखने की बात कही सिर्फ उपयोगी कंटेंट देखने के लिए मोबाइल का उपयोग करें। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

संस्था प्राचार्य कमलेश अग्रहरि को कलेक्टर ने अपनी कलेक्टर की पाती भैया बहनों तक पहुंचने के लिए उन्हें शुभकामनाएं सहित भेंट की।

कार्यक्रम के पूर्व छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत, गायत्री मंत्र एवं वंदना का प्रस्तुतिकरण किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग श्रीमती वंदना गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, डीबीसी अरविंद विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष योगेश श्रीवास्तव सह व्यवस्थापक संजय मिश्रा, विद्यालय की समस्त शिक्षक आचार्य एवं दीदी समिति पदाधिकारी की उपस्थिति रही अंत में संस्था प्राचार्य कमलेश अग्रहरि द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा का नारायणगंज में हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की उपस्थिति में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया हनुमान मंदिर बस स्टैंड में भाई साहब का तिलक वंदन से स्वागत करते हुए बजरंगबली का पूजन दर्शन किया गया और रैली के रूप में ढोल बाजे के साथ समस्त भाजपा कार्यकर्ता ने ग्राम में भ्रमण किया और निर्मल छाया में एक सभा के रूप में कार्यक्रम संपन्न किया गया कार्यक्रम में रतन सिंह ठाकुर ने सबका स्वागत और अभिवादन प्रदान किया और जिला अध्यक्ष जी का स्वागत किया एवं भाजपा को मजबूत करने हेतु समस्त कार्यकर्ताओं से आह्वान किया और कुलस्ते जी के मार्गदर्शन में पार्टी को मजबूत करने हेतु सबको मार्गदर्शन दिया साथ ही नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष का भरपूर सहयोग कर मंडल नारायणगंज में भाजपा को मजबूत करने का आह्वान किया भगवान सिंह कुलस्ते ने कहा कि भाजपा ने जो आदिवासी समुदाय के लिए किया है वह किसी ने नहीं किया हम सभी को योजनाओं के बारे में लोगों को बताना चाहिए और सच्ची शुभचिंतक भाजपा है इस बात को पूरे वजनदारी के साथ हमें गांव में रखना चाहिए इसी क्रम में संजय कुशराम जिला पंचायत अध्यक्ष जी ने लोगों को संबोधित किया और बताया कि गोंडवाना और कांग्रेस आदिवासी समुदाय को भ्रमित करने का कार्य कर रही है वह रावेन और रावण को एक ही बात कर हिंदु और आदिवासी को टकराने का काम कर रही है जिसके लिए हमें प्रचार प्रसार की आवश्यकता है और हमें यह नहीं भूलना चाहिए की आदिवासी कल्याण का कार्य केवल भाजपा कर रही है श्रीमान प्रफुल्ल मिश्रा जी ने बताया कि सर्वप्रथम आदिवासी कल्याण विभाग बनाने वाले अटल बिहारी वाजपेई जी थे और प्रथम कैबिनेट मंत्री श्री फगन सिंह कुलस्ते आदिवासी कल्याण विभाग का कार्य देखा था तब से आज तक आदिवासियों के हित में बात की जा रही है इसके पहले आदिवासियों की चिंता करने वाला कोई नहीं था आज मकान जल अनाज सभी की चिंता भाजपा कर रही है इसलिए हमें बीजेपी को मजबूत करना चाहिए आभार के रूप में राम प्यारे कुलस्ते ने सभी कार्यकर्ताओं को एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और भाजपा के लिए पूरी ताकत से लगने की आवाज किया। इस कार्यक्रम में संदीप नामदेव वेद प्रकाश कुलस्ते विकास यादव राजेश सोनी विनोद अग्रवाल संतोष सोनी हंसी लाल साहू मनोज मिश्रा बकोरी मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा बावलिया मंडल अध्यक्ष संदेश जायसवाल जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीय जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा चौधरी गया चक्रवर्ती दीपक पदम वीरेंद्र अग्रवाल सुशांत अग्रवाल सुंदर सोनी मृदु किशोर साहू भगवान मिश्र एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राकेश प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने किया।

आबकारी टीम द्वारा गश्ती के दौरान की गई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिला आबकारी विभाग द्वारा मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है। गुरूवार शाम को गश्ती के दौरान आबकारी टीम मण्डला द्वारा रमपुरा क्षेत्र में मदिरा विक्रय करने वाले अर्चदीप सरदार के कब्जे से विदेशी मदिरा की 4 बोतल एवं 8 पाव जप्त किये गये। इसी क्षेत्र से शैलेष नाविक के कब्जे से 5 लीटर हाथभटठी की शराब जप्त की गई। जप्त मात्रा की कुल अनुमानित कीमत 6640 रूपए आंकी गई है। दोनों आरोपियों के विरूद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क के तहत न्यायालयीन मामला दर्ज किया गया। आबकारी टीम द्वारा गश्ती के दौरान विशाल ढाबा एवं गोल्डन कैफे की तलाशी ली गई। मौके पर शराब नहीं पाई गई, जिसकी विधिवत कार्यवाही की गई। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्व किए गए। उक्त कार्यवाही में आबकारी बल उपस्थित था।

घरेलू गैस सिलेण्डर का दुरूपयोग, पांच प्रतिष्ठानों पर की गई कार्यवाही

मण्डला। कलेक्टर के मार्गदर्शन में नगर पालिका क्षेत्र में खाद्य शाखा की टीम द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का दुरूपयोग पाये जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्यवाही कर 5 प्रतिष्ठानों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किए गए है। कार्यवाही के दौरान शेख बिरयानी हाउस बस स्टेण्ड मण्डला से 3 नग घरेलू गैस सिलेण्डर, कादरी बिरयानी बस स्टेण्ड मण्डला से 2 नग घरेलू गैस सिलेण्डर, कृष्णा रेस्टोरेंट बस स्टेण्ड मण्डला से 1 नग घरेलू गैस सिलेण्डर, मटरू ढाबा पौंड़ी महाराजपुर से 3 नग घरेलू गैस सिलेण्डर एवं दिलीप होटल महाराजपुर से 1 नग घरेलू गैस सिलेण्डर एवं चूल्हा भट्टी को जप्त किया गया है। जप्त सामग्री का बाजार मूल्य लगभग 31333 रूपये है। उक्त सभी प्रतिष्ठानों के द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का दुरूपयोग पाये जाने का प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस दौरान के.पी.एस. मरावी, सहायक आपूर्ति अधिकारी मण्डला, राजेन्द्र वरकड़े सहायक आपूर्ति अधिकारी नैनपुर, श्रीमती रश्मि गौतम कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बिछिया, अजय झारिया कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मण्डला, शिवराज सिंह कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी नारायणगंज एवं सुजीत परस्ते कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बीजाडांडी उपस्थित थे।

अनदेखी | **कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में क्यों नहीं हो रही वार्डनों की नियुक्ति।**

वार्डनों की नियुक्ति में देरी : एक गंभीर सवाल

*** जिम्मेदार अधिकारी दे रहे विरोधाभाषी बयान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में वार्डन की नियुक्ति में हो रही देरी विभागीय अधिकारियों और शिक्षा व्यवस्था की कार्यशैली पर सवाल उठाती है। करीब छह महीने पहले, समग्र शिक्षा अभियान सेकेण्डरी एजुकेशन के तहत, जिले के सात विकासखण्डों के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में वार्डन पद के लिए आदेश जारी किए गए थे। इस आदेश के अनुसार इच्छुक महिला शिक्षिकाओं से आवेदन मांगे गए थे, और यह भी स्पष्ट किया गया था कि यदि हायर सेकेण्डरी में अध्यापन कर रही शिक्षिका नहीं मिलती है तो माध्यमिक या प्राथमिक शिक्षिकाओं को अस्थायी रूप से वार्डन का प्रभार दिया जा सकता है।

हालांकि, यह प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है। 19 जुलाई 2024 तक शिक्षिकाओं से आवेदन मंगाए गए थे, लेकिन आज तक उन शिक्षिकाओं की नियुक्ति नहीं हो पाई है जो इस पद के लिए चयनित हुई थीं। जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में वही पुराने वार्डन कार्यरत हैं, जिनकी नियुक्ति छह महीने पहले के आदेश के बावजूद नहीं बदली। इस प्रकार, इस स्थिति से यह स्पष्ट होता है कि विभागीय अधिकारियों ने वार्डन नियुक्ति प्रक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

इस बारे में एडीपीसी (रमसा) कार्यालय के जिला शिक्षा अधिकारी एल एस मसराम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वार्डन की भर्ती प्रक्रिया चल रही है और कुछ विभागीय आपत्तियों के कारण इसमें देरी हुई है। उनका कहना था कि फरवरी 2025 तक इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, विभागीय सूत्रों के अनुसार यह प्रक्रिया अभी भी ठंडे बस्ते में है, और कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। इससे यह महसूस होता है कि अधिकारियों की बयानबाजी केवल स्थिति को शांत करने की कोशिश है, जबकि इस मुद्दे पर कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

वहीं, जब इस मामले पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी समग्र शिक्षा अभियान सेकेण्डरी एजुकेशन श्रीमती मुन्नी बरकडे से पूछा गया तो उन्होंने भी स्वीकार किया कि भर्ती प्रक्रिया में विलंब हुआ है, लेकिन उनका आश्वासन था कि आगामी सत्र के पहले यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। यहां पर भी दोनों अधिकारियों के बयान अलग-अलग होने से संदेह पैदा होता है और यह प्रतीत होता है कि विभाग में कोई स्पष्ट योजना नहीं है।

वार्डन की नियुक्ति में इस देरी के कारण कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों के संचालन में कोई सुधार संभव नहीं हो पा रहा है। अगर विभागीय अधिकारी इसी तरह की लापरवाही दिखाते रहे तो यह छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। विभाग को गंभीरता से इस मुद्दे को हल करते हुए वार्डनों की नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करना चाहिए।

इसके अलावा, वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए पुराने वार्डनों को शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार हटाया जाना चाहिए, ताकि इन छात्रावासों के संचालन में नया दृष्टिकोण और सुधार लाया जा सके। यदि समय रहते इस नियुक्ति प्रक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों के संचालन में सुधार और बच्चों के भविष्य में कोई सकारात्मक बदलाव संभव नहीं होगा।

दस्तक अभियान का द्वितीय चरण 18 फरवरी से

मण्डला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.सी. सरोते ने बताया कि दस्तक अभियान का द्वितीय चरण 18 फरवरी से 18 मार्च 2025 तक चलेगा। इस चरण में महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं के द्वारा 5 वर्ष तक के बच्चों को सेवायें दी जावेगी। दस्तक अभियान के संबंध में खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सेक्टर मेडिकल ऑफिसर, बीपीएम, बीसीएम एवं जिला परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास, सीडीपीओ को डॉ. जलज खरे, एसएमओ एवं डॉ. यतीन्द्र झारिया, जिला टीकाकरण अधिकारी के द्वारा गुरूवार को प्रशिक्षण दिया गया। दस्तक अभियान के दौरान 9 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों का विटामिन ए अनुपूरण, 6 माह से 5 वर्ष के चिन्हांकित एनीमिक बच्चों की डिजीटल हीमोग्लोबिनोमीटर द्वारा फॉलोअप, जांच एवं प्रबंधन सहित अन्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत पाठा जनपद पंचायत नारायणगंज, मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत पाठा में सामुदायिक (सांस्कृतिक) भवन निर्माण हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेन्ट, ईट आदि की आवश्यकता है इसके लिये निर्माण सामग्री सप्लायरों से निविदा आमंत्रित की जा रही है, जी.एस.टी. बिल वाले सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रण दिनांक से 10 दिवस के अंदर कार्यालय समय पर आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत पाठा
जन.पंचा. नारायणगंजमण्डला

सरपंच
ग्राम पंचायत पाठा
जन.पंचा. नारायणगंजमण्डला

जन्मदिन उत्सव

आज अंतिम दिन

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि **अब हर माह आप बने भाग्यशाली विजेता।** जन्मदिन उत्सव माह मार्च का फार्मेट का प्रकाशन 10 फरवरी को किया जा चुका है, जिसे जमा करने की आज अंतिम तिथि है, पाठक अपना फार्मेट अपने एजेंट सब एजेंट जिला कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

आटो चालक द्वारा सवारी के साथ पटिया से की गई मारपीट

गाडरवारा। आटों चालकों की मनमानी की शिकायत आम बात होती चली जा रही है। क्योंकि जब चह अपने आटों पर सबारियों को बैठाते है तो निर्धारित स्थान तक छोड़ने की बात कहने से नही चूकते है। मगर इसके बाद पैसा लेकर मुकरते हुये उन्हें रास्ते में ही छोड़ देते है। जब सबारियों द्वारा उनकी मनमानी को लेकर चर्चा की जाती है तो वह अपनी सबारियों के साथ मारपीट करने से भी नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौड़िया में देखने मिली जब सबारी को निर्धारित स्थान पर न छोड़ते हुये बीच में छोडे जाने पर जब सबारी द्वारा आपत्ति ली गई तो आटों चालक द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ पलोहा थाना के अंतर्गत ग्राम लिलवानी निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब उसे अपने गांव लिलवानी से गाडरवारा आना था तो ग्राम कौड़िया निवासी नंदी प्रधान के आटों पर बैठते हुये नंदी से गाडरवारा तक ले जाने की बात कही गई मगर जब आटों कौड़िया पहुंचा तो आटों चालक द्वारा प्रार्थी को कौड़िया में ही उतरने की बात कहने लगा। मगर प्रार्थी द्वारा कहा गया कि बात तो गाडरवारा तक छोड़ने की बात हुई थी। इसी बात को लेकर आरोपी आटों चालक द्वारा प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देते हुये आटों में लगे हुये पटिया को निकालकर मारपीट कर चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी आटों चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कागजों के भरोसे चलते हुए नजर आ रही आंगनवाडी संबंधित योजनाएं

चीचली। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं व बच्चों को नही मिल पा रहा है? जबकि महिला बाल विभाग के माध्यम से संचालित होने वाले इन योजनाएं के नाम पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष करोडो रूपए खर्च कर जन हितैषी योजनाए बनाती है मगर वह योजनाएं मात्र कागजो तक ही सीमित होने के चलते शासन की राशि बर्बाद ही होते हुए दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिल पा रहा है और न पढाई की सुविधा मिल रही है।

बच्चों ने गिल्ली डण्डे की जगह थामा बल्ला, पुराने खेल भूल रहे लोग

बारहाबड़ा । पारस्पारिक खेल जहां सस्ते और सुलभ हुआ करते थें, वही ऋतुओं पर आधारित यह खेल स्वास्थ्य और शिक्षाप्रद भी हुआ करते है,किन्तु आधुनिक युग मे इन पास्पारिक खेलों का स्थान महंगे खेलों ने ले लिया है,आवश्कता है सुलभ पारंपारिक खेलों की ओर लौटने की क्योकि पारंपारिक खेल अपेक्षाकृत व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम होते है, हमारी माटी से जुड़े ऐसे ही अनेको खेलों व प्रासंगिता और लाभ का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, हमारी परम्पराओं से जुडे अनेक खेल गिल्ली डण्डा ,गपोनी, कबड्डी, छिपा छिपी, अडी धप्प, आदि खेलों के लाभ और इनके जीवन से जुडाव को उजागर किया गया है, इन पांरपरिक खेलो को शरीर एवं मस्तिष्क विकास का सशक्त माध्यम बताते हुये बताया गया है कि पूर्व के समय मे यह खेल अधिकांशतः कम उम्र के बच्चों द्वारा खेला जाता था, जिससे की बच्चों को शरीरिक संतुलन बनाने का अभ्यास होता था। निर्णय क्षमता के विकास के साथ शरीरिक विकास के क्रम मे बढ़ोत्तरी होती थी। अनेक प्राचीन खेल ऋतुओं पर आधारित होते थें।

दुर्दशा की शिकार हो रही क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में मासूम बच्चों ने मुश्किलों के बीच काट लिया अपना समय, सबाल यह कि आखिर कहा गये अधिकारियों के स्वच्छता संबंधी दिशा निर्देश, ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों में लगा गंदगी का अम्बार, कागजों के भरोसे सफल बनाया जा रहा स्वच्छ भारत का सपना....?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत का नारा देते हुए संपूर्ण देश को स्वच्छ बनाने की सोच रखी जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की सोच को अमली जामा पहनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा भी संपूर्ण प्रदेश को स्वच्छ बनाने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुए गांव गांव टीमें भेजकर शौचालयों का निर्माण कराने बाद अब स्वचछता सर्वेक्षण की मुहिम शुरू कर दी गई है, जिसके चलते हमारे जिले के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में प्रदेश में सर्वोत्तम अंकों के साथ अच्छा स्थान प्राप्त करने के लिए कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इसी के चलते बताया जाता है कि बीते हुए कुछ माह पूर्व एक टीम द्वारा गांव गांवों पहुंचकर शिक्षण संस्थाओं सहित अन्य स्थलों पर निरीक्षण करने की बात कही गई थी जिसकी सूचना अधिकारियों व कर्मचारियों को पहले ही मिल जाने के कारण इस टीम के पहुंचने के पूर्व अपनी शिक्षण संस्थाओं के शौचालयों को नई दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर इसके बाद उन शौचालयों की क्या सच्चाई बनी हुई है इस बात का अंदाजा ग्रामीण क्षेत्रों में देखकर आसानी से लगाया जा सकता है..? वही दूसरी ओर कुछ वर्ष पूर्व शिक्षण संस्थाओं में भी सरकार द्वारा पक्के शौचालयों का निर्माण कराते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा चुके है। मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो लगातार चलाई जा रही इस स्वच्छता की सत्यता का नजारा क्षेत्र के शाला भवनों में बदहाल हालत में पहुंच रहे शौचालयों को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है कि आखिरकार सरकार द्वारा स्वच्छता के नाम पर खर्च किये जा रहे पैसा मात्र एक औपचारिकता पूर्ण करते हुये शासन की राशि की होली खेलने के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है...? जहां अधिकारियों द्वारा आये दिन स्वच्छता का संदेश देने से नही तो नही चूकते है। मगर शिक्षण संस्थाओं में फैल रही गंदगी के ओर किसी भी प्रकार का ध्यान न देना चिंता जनक सच्चाई मात्र कागजों पर चल रहे स्वच्छता अभियान को उजागर करने से नही चूक रहा है? जिसके चलते शिक्षण संस्थाओं की स्थिति को देखते हुए यह जान पड़ रहा है कि अधिकारियों के दिशा निर्देश सिर्फ अखबारों की सुर्खियों में छाने तक ही सीमित होकर रह रहे है। क्योंकि इस समय देखा जा रहा है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि उनमें बच्चे तो क्या शिक्षकों को पहुंचने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि कुछ साल पहले शासन के आदेश अनुसार शिक्षण संस्था में शौचालय बनबाने का जो आदेश दिया गया था उसे लेकर संबंधित विभाग द्वारा शौचालयों का निर्माण करते हुए उन्हें इतना सुन्दर बनाया गया था कि उसकी कल्पना नही की जा सकती थी। मगर उनकी सच्चाई चंद दिनों बाद ही जिस प्रकार से देखने मिल रही है उसकी भी कल्पना करना भी मुश्किल होने लगा है..। यदि गौर किया जावे तो इन शासकीय शिक्षण संस्थाओं में बीते हुए वर्षो में बनाये गये शौचालय इस प्रकार की स्थिति में पहुंच चुकी है कि उनका छात्र छात्राओं सहित शाला के स्टाफ द्वारा उपयोग करने की बात तो दूर उनकी ओर झांकने से भी दहशत में देखे जाने लगे है। क्योंकि इन शौचालयों को लेकर साफ सफाई के आभाव में जहां उनके अंदर जहरीले कीडे मकोड़ो ने अपना डेरा जमा लिया गया है। वही दूसरी ओर शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि जब जरा सी बारिश होती है तो उनके चारों ओर बारिश का पानी भर जाने के कारण जहां बच्चों को शिक्षण संस्थाओं में बैठते हुए अध्ययन करना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से शासन से लेकर शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में शौचालय निर्माण कार्यो पर जोर दिया गया था यदि वह जोर शिक्षण संस्थाओं के सुधार कार्य पर दिया गया होता तो निश्चित शिक्षण संस्थाओं की सूरत बदल गई होती। मगर चंद दिनों के लिए सुन्दर शौचालयों से सजी रहने के बाद बदहाल स्थिति में पहुंची शिक्षण संस्थाओं को लेकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि आखिर में बच्चें अपने स्कूलों में पढ़ाई करने के लिए जाते है सिर्फ शौच करने के लिए नही? क्योंकि भले ही शौचालय बदहाल होते तो काम चल जाता। मगर बच्चों के लिए शिक्षण संस्थाओं की स्थिति में सुधार हो जाता तो उनको लाभ मिलता। क्योंकि पढ़ाई के दौरान चंद बच्चें ही शौचालयों का उपयोग करते है..? जबकि शिक्षण संस्थाएं शौचालय के आलवा जिस तरह अन्य कमियों से जूझती है तो सभी बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसके चलते उनकी पढ़ाई पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति के चलते लोगों का कहना है कि शौचालयों की सुन्दरता से अधिक जरूरत शिक्षण संस्थाओं के सुधार में ज्यादा महसूस की जा रही है जहां पर बैठकर बच्चों को अपनी पढ़ाई करना पड़ती है। मगर पता नही क्यों शासन द्वारा इस समय शिक्षण संस्थाओं के सुधार की जगह उनके शौचालयों पर ज्याद ध्यान देने में लगा दिया गया था और लगभग हर स्कूल में शौचालयों के नाम पर खर्च की गई राशि की गफलतबाजी बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हुये यह शौचालय खुद ही अपने आप बताने से नही चूक रहे है जिसके चलते इन शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले बच्चों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसी का परिणाम है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेंत्रों की शिक्षण संस्थाओं स्थिति इनती बदहाल होती हुई देखी जा रही है जहां हर वर्ष सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करने के बाद अनुपयोगी साबित हो रहे है। यह बात अलग है कि शासन के आदेश अनुसार बीते हुये कुछ साल पहले क्षेत्र की हर शिक्षण संस्था में लाखों रूपया खर्च करते हुये शौचालयों का निर्माण कराते हुए उन्हें सुन्दर बना दिया गया है। मगर आज भी शिक्षण संस्था की स्थिति बदहाल होने के कारण इन संस्था में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षक शिक्षिकाओं को भी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

कैरोसिन न मिलने से गरीब परेशान, लकड़ी खरीदना हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वर्तमान हाईटेक दौर में हालांकि शहर के घरों में खाना बनाने के लिए रसोई गैस का इस्तेमाल किया जा रहा है पर शहर की आबादी के बड़े हिस्से में गरीब बर्ग के लोग आज भी कैरोसिन ईंधन पर ही निर्भर है जो खाना बनाने के लिए मिट्टी के तेल का ही उपयोग कर रहे है। क्योंकि रसोई गैस के लगातार बढ़ते हुये दामों के बीच वह हलाकान होने लगे है। ज्ञातव्य है कि शहर में मिट्टी के तेल की सर्वाधिक खपत होती है, जिसके चलते नगर के गरीबों का कहना है कि विडम्बना की बात है इन दिनों अनेक गरीबों को सरकार की गैस कनेक्शन तो प्रदान किये गये है। मगर उनके भरोसे पूरे घर का खाना बन सके यह संभव नही है। क्योंकि गैस के लगातार बढ़ रहे दामों के बीच गरीब परिवारों के लिये गैस खरीदना मुश्किल होने लगा है। इस स्थिति में जिन लोगों को शासन द्वारा गैस कनेक्शन प्रदान किये गये है उन्हें मिट्टी तेल देना बंद कर लिया गया है और जलाऊ लकड़ी के चल रहे भाव आस मान को छूते हुए दिखाई दे रहे है जो गरीबों द्वारा खरीद पाना मुश्किल जान पड रहा है तथा नगर में कैरोसिन की भी किल्लत है। क्योंकि अनेक गरीबों को शासकीय दुकानों से मिट्टी का तेल नही मिल पा रहा है। इस प्रकार से नागरिक खाद्य आपूर्ति विभाग की कैरोसिन के वितरण में कोताही बरतने का नतीजा है कि गरीबों को जरूरत के हिसाब से मिट्टी का तेल उपलब्ध नहीं हो रहा है? उन्होंने बताया कि सहकारी दुकानों से गरीबो को जहां कैरोसीन नही दिया जा रहा है वह कुछ गरीबों को मात्र चंद लीटर कैरोसिन हर माह वितरित किया जाने लगा है और शहर में अब मिट्टी के तेल की कालाबाजारी भी होने लगी है। शहर के अनेक गरीबो का आरोप है कि वास्ताविक हितग्राही तो मिट्टी के तेल से वंचित है। मगर विडम्बना की बात है कि होटलो, मिठाई की दुकानो के संचालक ब्लेक में कैरोसिन खरीद गरीबो का ईंधन माने जाने वाला मिट्टी का तेल अपनी भट्टियो में फूँक रहे है। शहर के मजदूरो, गरीब परिवारो की गृहणियो ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में मिट्टी के तेल की हो रही कालाबाजारी पर अंकुश लगाने की पहल करें ताकि गरीब अपने घरों में आसानी से दो वक्त चूल्हा जला सके।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को न्यायालय द्वारा सुनाई दोहरे बीस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी अपने बचने के लिये कितने भी प्रयास करे। मगर जब मामला विद्यवान न्यायाधीश के समक्ष पहुंचता है तो वहां पर दूध का दूध व पानी का पानी होने से नही चूकता है जहां पर पीड़ित को न्याय मिलने के साथ आरोपी को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचने में देर नही लगती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय न्यायालय में उस समय देखने मिली जब विद्यमान न्यायाधीश द्वारा दुष्कर्म के एक प्रकरण में अपना महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुये आरोपी को बीस बीस वर्ष के दोहरे सश्रम कारावास की सजा से दंडित करने का निर्णय सुनाया गया। जानकारी के अनुसार स्थानीय न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ श्रीमती अंजली पारे के न्यायालय द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रकरण में आरोपी पप्पू उर्फ विजय आ. पहलाद सिंह अहिरवार आयु 33 वर्ष, हाल निवासी ग्राम भौरगढ़, थाना सांईखेड़ा सहित अन्य पता ग्राम दिघावन, थाना देवरी, जिला रायसेन (म.प्र.) को दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को धारा- 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास सहित 5000 आर्थिक दंड तथा धारा- 3/4 की उपधारा(2) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 5000 रूपया के आर्थिक दंड तथा भादवि की धारा 506 (भाग-दो) में 03 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1000 रूपया के आर्थिक दंड की सजा से दंडित करने का निर्णय सुनाया गया। बताया जाता है कि अभियोक्त्री की रिपोर्ट पर आरक्षी केन्द्र गाडरवारा में अपराध क्रमांक 00/2024 धारा 376, 376(3), 376(2)(एन), 506 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 5(एल)/6 के अंतर्गत देहाती नालसी लेखबद्ध की गई, जिसके आधार पर आरक्षी केन्द्र सांईखेडा में अपराध क्रमांक 75/2024 पर प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की जाकर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। वही सांईखेड़ा पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करते हुये मामले का अंतिम प्रतिवेदन मा. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत न्यायाधीश महोदय द्वारा प्रकरण की सुनवाई करते करने के दौरान प्रभारी उपसंचालक अभियोजन/जिला लोक अभियोजन अधिकारी के मार्गदर्शन में, विशेष लोक अभियोजक श्रीमती संगीता दुबे द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य व तर्कों से समहत होते हुये आरोपी को सजा सुनाने का निर्णय दिया गया।

माँ सिंहवाहनी के स्वागत में उमड़ा जन सैलाब, धूमधाम के साथ शक्तिधाम पहुंची माताराणी की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के पलोटनगंज में बीते हुये लम्बे समय से माँ सिंहवाहनी के मंदिर का जिस तरह से निर्माण चल रहा है वह लगभग पूर्णतः की ओर पहुंच चुका है। बताया जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में जिस तरह कलाकारी का प्रदर्शन किया गया है इसके चलते यह मंदिर नगर ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्र में आकर्षण का केन्द्र बनने के साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। वही मंदिर में स्थापित होने वाली माँ की प्रतिमा आने का लोगों द्वारा बीते हुये लम्बे समय से इंतजार किया जा रहा था। इस तरह वर्षो के इंतज़ार के बाद आखिरकार जयपुर से माताराणी की भव्य प्रतिमा शक्ति धाम में स्थापित होने पहुंच गई। बताया जाता है कि माताराणी की प्रतिमा के आगवान के दौरान उनके नगर में स्वागत के लिये मानों लोगों का हुजूम उमड़ा पड़ा था। महिला पुरूषों सहित बच्चों ने अनांदित होते हुये उनके स्वागत रैली में भाग लेकर अपनी खुशी का इंजहार किया गया। माता रानी के आगवन पर शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो शांतिदूत छीपा तिराहा से होकर पुराना बस स्टैंड से निकलते हुये पुरानी गल्ला मंडी, नगर के हृदय स्थल झंडा चौक, शिवालय, शक्ति चोक से निकलकर महावीर भवन, पानी की टंकी मार्ग से होकर, शक्तिधाम मंदिर पहुंची, जहाँ प्रसादी वितरण के साथ ही इस शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में डीजे बाजे गाजे के साथ बड़ी संख्या में समाज सेवी चौधरी हरिओम, नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, आनंद राजपूत, डा उमा शंकर दुबे, राजेश तिवारी, सुनील श्रीवास्तव के आलवा सैकड़ो की संख्या नगर के लोग, महिलाए युवक, युवती शामिल थें जो माँ सिंहवाहनी के नगर आगमन को लेकर भक्ति में लीन होकर झूमने से नही चूक रहे थें। वही जब यह शोभायात्रा नगर में निकली तो जगह जगह माताराणी की शोभायात्रा पर पुष्प बरसाते हुये उनका स्वागत किया गया। बताया जाता है कि नव निर्मित मंदिर में स्थापित करने के लिये लाई गई इस प्रतिमा का शीघ्र ही निधि निर्धारित करते हुये विधि विधान के साथ स्थापना की जावेगी। फिलहाल मंदिर के ही समीप निर्धारित किये गये स्थान पर रखा गया है।

जिला दंड अधिकारी के आदेश की अव्हेलना किये जाने पर दर्ज किया गया राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये समीपस्थ ग्राम गरधा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब बीते हुये दिवस में अपने घर के सामने खड़ा हुआ था उसी समय गांव का गोठल उर्फ देवी प्रसाद कौरव आया और जबरन शराब पीने के लिये पैसों की मांग की गई जब शिकायत कर्ता द्वारा पैसा देने से इंकार किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। वही दूसरी ओर आरोपी के खिलाफ जिला दंड अधिकारी द्वारा अपने अपने आदेश क्र.10373/प्र.कले/18/24 दिनांक 04/11/2024 के माध्यम से म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 के तहत निर्बंधन आदेश पारित कर अनावेदक गोठल उर्फ राजेन्द्र उर्फ देवीसिंह पिता भूरालाल उर्फ भूरेलाल कौरव उम्र 36 साल निवासी गरधा को आगामी 6 माह तक प्रति माह 1 एंव 15 तारीख को अपनी उपस्थिति थाना गाडरवारा में देने हेतु आदेशित किया गया था । मगर गोठल उर्फ राजेन्द्र उर्फ देवीसिंह पिता भूरालाल उर्फ भूरेलाल कौरव द्वारा उक्त आदेश का पालन न कर दिनांक 15 जनवरी 2025 को थाना हाजिरी देने उपस्थित नही हुआ जिसके संबंध में रोजनामचा सान्हा 24 दिनांक 20/01/2025 को रिपोर्ट दर्ज की गयी है तथा निर्बंधन अवधी के दौरान आरोपी गोठल उर्फ राजेन्द्र उर्फ देवीसिंह कौरव द्वारा बाल किशन पिता द्वारका प्रसाद कौरव उम्र 55 साल निवासी ग्राम गरधा से अवैध रूप से शराब पीने के लिये 500/- रुपये मांगकर उसे गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दिये जाने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस ने अलग अलग धाराओं के तहत मामला कायम करने के साथ ही आरोपी गोठल उर्फ राजेन्द्र उर्फ देवीसिंह पिता भूरालाल उर्फ भूरेलाल कौरव द्वारा जिला दण्डाधिकारी के निर्बंधन आदेश का उल्लंघन कर नियत तारीख को थाना में उपस्थित न होना एंव निर्बंधन अवधी में उक्त अपराध घटित किया गया है जो आरोपी के द्वारा धारा 3 राज्य सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन करना पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध धारा 14 राज्य सुरक्षा अधिनियम का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव अपनी जनराशि करते हुए विकास कार्य कराये जा रहे है, मगर कहा जाता है कि वह विकाय का कार्य सही कहलाता है जिसकी लोगों को उपयोगता होती है और यदि वही विकास कार्य नही होता है तो संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्हें लग जाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम पंचायत नांदनेर में देखने मिल रही है,

इस तरह मासूमों के हाथों में दिया जावेगा स्टेरिंग तो दुर्घटनाओं पर अंकुश की उम्मीद जताना सफल हो पयोगा...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय क्षेत्र में आये दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्वेश्य से पुलिस द्वारा जिस प्रकार से आये दिन जहां तहां अपना तम्बू लगाते हुए छोटे वाहनों की जांच करते हुए उन्हें यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुए जिस प्रकार से चलानी कार्यवाही की जा रही है? मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक वाहनों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों को चलाते हुए देखा जाता है कि जो वाहन रोकने के लिए वाहन के ब्रेको तक अपने पैर तक नही पहुंचा पाते है। मगर इसके खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही करने में सफल नही होने के कारण जहां पुलिस द्वारा चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? वही दूसरी

ओर इन नाबांलिको के वाहन चलाने के कारण आम लोगों की जिन्दगी को भी खुलेआम खतरा पैदा होता हुआ जान पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो गन्ना ढोने वाले वाहनों से क्षेत्र के अनेको जगह होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चलते लोगों की जाने चली जाती है। मगर पता नही कि प्रशासन इन गन्ना ढोने वाले वाहन चालको पर क्यों मेहरवान होते हुए लोगों की जिन्दगी के साथ खुली खिलबाड़ करने की छूट प्रदान किये हुए है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि क्षेत्र की शुगर मिलों में लगी हुई गन्ना ढोने वाली ट्राली जहां नियम विरूद्ध एक ट्रेक्टर में डबल डबल ट्राली लगाते हुए परिवहन करते हुए देखी जाती है और कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से भी देखने मिली है कि इन गन्ना से भरी हुई ट्रालियों को इस प्रकार के नाबांलिक चलाते हुए देखे जाते है जिनके ब्रेक तक पैर भी नही पूजते है। इस बात की सच्चाई विगत दिवस उस समय देखने मिली जब एक नाबांलिक किशोर गन्ने से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली को ले जाते हुए देखा गया। इस बच्चे को ट्रेक्टर चलाते हुए देखकर जहां अनेक लोग हैरत में पड़ गये वही पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर भी सबाल खड़े करते हुए देखे गये।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने ली निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

डिंडोरी कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग वैधनाथ वासनिक सहित समस्त निर्माण संबंधित विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। कलेक्टर नेहा मारव्या ने पीएचई, पीडब्ल्यूडी, सर्व शिक्षा अभियान, जिला शिक्षा अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, नर्मदा विकास प्राधिकरण सहित अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर स्वीकृत कार्य, कार्यादेश, टेंडर, निर्माणाधीन कार्य, कार्य लागत, कार्य प्रगति, निर्माणाधीन कार्यों में स्वीकृत राशि के विरूद्ध व्यय की गई राशि सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर नेहा मारव्या ने निर्माणाधीन कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, स्वीकृत कार्यों के लिए अग्रिम कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर मारव्या ने समस्त राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परीक्षण के लिए सतत जांच करें, यह सुनिश्चित करें कि निर्मित रोड क्षतिग्रस्त न हों ऐसी स्थिति में जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, साथ ही समय-सीमा में कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराएं।

गिद्धों की गणना के पूर्व प्रशिक्षण का आयोजन

अनूपपुर। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी गिद्धों की गणना हेतु पूर्व तैयारी के लिए अनूपपुर वन मंडल स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया प्रशिक्षण दौरान प्रेरक एवं वन परिक्षेत्राधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह ने पुराने वन मंडल परिसर में वन मंडल अनूपपुर के सभी वन परिक्षेत्र अधिकारियों,परिक्षेत्र सहायको, वनपलो, वनरक्षकों को 17-18 एवं 19 फरवरी एवं 29 अप्रैल को आयोजित होने वाले गिद्ध गणना के दौरान वन क्षेत्रो में विभिन्न प्रजाति के गिद्धों के रहवास क्षेत्रो की पहचान कर दो दिन पूर्व तैयारी करने की बात कही उन्होंने बताया कि गिद्ध दो तरह के स्थानो पेड़ों में घोंसला बनाकर या चट्टानों के बीच घोसला बनाकर निवास करते हैं जो सूर्य की रोशनी से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए सुबह होते ही घोसलों से निकलकर पेड़ों या चट्टानों में बैठते हैं गिद्धों की गणना प्रातः से ही किया जाना है जिसके लिए उपकरणों का भी प्रयोग किया जा सकता है पैडों या चट्टानों में बैठे गिद्धों की ही गणना करते हुए प्रपत्र में बीट अनुसार दर्ज किया जाना है इस कार्य हेतु सुरक्षाश्रमिकों जागरूक स्थानीय नागरिकों की भी मदद ली जा सकेगी गणना सभी बीटों में किया जाना है उन्होंने बताया कि पूर्व के वर्षो में पालतू पशुओं को दिए जाने वाले दर्द निवारक औषधीय के कारण मृत पशुओ को अपना आहार बनाने से गिद्धों की संख्या बहुत ही कम हो गई रही है जिन्हें बचाएं रहने के उद्देश्य उनका संरक्षण किया जा रहा है इस दौरान प्रशिक्षक शशिधर अग्रवाल,हरि नारायण पटेल एवं वन मण्डल में गिद्धों के पाए जाने वाले स्थान के वनरक्षक उमेश सरठिया,विनय पांडेय एवं कुंदन शर्मा ने भी प्रशिक्षण दौरान आवश्यक जानकारी दी,प्रशिक्षु आईएफएस एवं प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी अंशुल तिवारी ने सभी को गंभीरता पूर्वक तरह से गिद्धों की गणना करने की बात कही गई प्रशिक्षण दौरान वन मंडल अनूपपुर के वन परिक्षेत्र अधिकारी,परिक्षेत्र सहायक, वनपाल एवं वनरक्षक सम्मिलित रहे।

आज होगी जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक

अनूपपुर। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 15 फरवरी 2025 को अपराह्न 2:00 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत के सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया है की बैठक में जिला पंचायत डीपीडीपी वर्ष 2025-26 के प्रस्ताव का अनुमोदन, जिले के जनपद पंचायतों का बीपीडीपी वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के प्रस्ताव का अनुमोदन, जिला पंचायत अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के पूर्व अनुमोदित डीपीडीपी के संशोधन प्रस्ताव का अनुमोदन, जिला पंचायत अंतर्गत 15 वें वित्त अंतर्गत वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के प्रशासनिक व्यय की जानकारी एवं चर्चा, जिला पंचायत अंतर्गत महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेवर बजट का अनुमोदन तथा अन्य बिंदु पर चर्चा की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ ने सर्व संबंधितो से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

विधायक ने शहपुरा में आयोजित जनशिविरों हुए शामिल

डिंडोरी

शहपुरा में शुक्रवार को आयोजित जन शिविर में हितग्राहियों से प्राप्त आवेदन के आधार पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अभियान के दौरान आवेदन करने वाले हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया। अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनो पर कार्यवाही कर अभियान के अग्रिम चरण में आवेदकों को हितलाभ वितरण करने के उद्देश्य से आज जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत मरवारी, खैरभगदू, देवरीखुर्द, भिम्पार और कस्तूरी पिपरिया में आयोजित कार्यक्रमों में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे शामिल हुए। उन्होंने हितलाभ वितरण के साथ ही अभियान के दौरान शेष रह गए पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी स्वीकार किये। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत में विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शासन की योजनाओं को धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से 11 दिसंबर 2024 से प्रारंभ होकर 26 जनवरी 2025 तक निरंतर जनशिविर आयोजित किये गए। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का समापन कार्यक्रम राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने आयोजित जनशिविरों को संबोधित करते हुए कहा कि अभियान के दौरान 60 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किये गए, जिन पर सम्बंधित विभाग कार्य कर लोगों को लाभान्वित कर रहे है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन आपके द्वार तक आपकी समस्याओं का निराकरण करने पहुंची है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में किए जा रहे निर्माण कार्यों से ग्राम का विकास किया गया। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लोगों का उपचार किया जा रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लोगों के पक्के आवास का सपना पूरा हुआ है, अभी प्रारम्भ है, सभी का नाम सर्वे में शामिल कर पक्का आवास बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में आयोजित जनशिविरों को सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। आयोजित शिविर में शहपुरा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो, भजन चक्रवर्ती, हीरेंद्र मरावी, नितिन गुप्ता, कमल अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के राजस्व, पंचायत, महिला एवं बाल विकास, कृषि सहित अन्य विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली डीएलसी की बैठक

डिंडोरी

कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएलसी की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में वनमण्डल अधिकारी पुनीत सोनकर, एट्री के सदस्य शरदचंद्र लेले, जिला पंचायत सदस्य प्रीतम सिंह मरावी, जिला पंचायत सदस्य हेमवती ठाकुर, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग डॉ. संतोष शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एट्री संस्था एवं डीएलसी समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिले में वनाधिकार अधिनियम और पेशा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डीएलसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामुदायिक वनाधिकार, व्यक्ति वनाधिकार, वन प्रबंधन के अधिकार, अधिकारों के साथ दायित्वों का बोध, जैव विविधता प्रबंधन, वनग्राम से राजस्व ग्राम में परिवर्तन, लघु वनोपज, उजड़े वनों को पुनर्जीवित करना सहित अन्य मुद्दों पर एट्री संस्था और डीएलसी समिति के सदस्यों ने अपने विचार और सुझाव रखे। सर्वसम्मति से वनाधिकार कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए जनभागीदारी और सहभागिता से विवादों का निपटान करने पर सहमति दी गई।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने वन विभाग और जनजाति कार्य विभाग को संयुक्त रूप से वनाधिकार के क्षेत्र में कार्य करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने व्यक्तिगत और सामुदायिक वनाधिकारों के संबंध में नियम अनुसार कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए किया गया कंट्रोल रूम स्थापित

डिंडोरी : मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 16 फरवरी (रविवार) को दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहला सत्र सुबह 10 से 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2-15 से 4-15 बजे तक होगा। परीक्षा के प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रूप से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है।

ये परीक्षा केंद्र बनाए गए

शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय, डिंडौरी, शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय डिंडौरी, डिंडौरी जिला मुख्यालय पर परीक्षा के लिए उक्त 2 केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षा के लिए बनाया गया कंट्रोल रूम

परीक्षा के सुचारू संचालन और परीक्षा संबंधी सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए कलेक्टर कार्यालय डिंडौरी (अधीक्षक कक्ष) में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसमें प्रभारी अधीक्षक भू अभिलेख रेवाराम झरिया मो.नं. 9329331275, राजस्व निरीक्षक बृजभान सिंह मार्को मो.नं. 964446592, सहायक ग्रेड 3 आशीष धुर्वे मो.नं. 9575472495 और भृत्य मनीष रावत की ड्यूटी लगाई गई है। इन नंबर पर परीक्षार्थी परीक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं या कोई शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

केंद्राध्यक्ष और पर्यवेक्षक नियुक्त

परीक्षा के सफल संचालन के लिए परीक्षा केंद्र शासकीय चंद्र विजय महाविद्यालय डिंडौरी के लिए केंद्र अध्यक्ष प्राचार्य शासकीय एकलव्य विद्यालय डिंडौरी राजेश तोमर मो.नं. 9303414072 और पर्यवेक्षक देवप्रकाश उइके के शासकीय कॉलेज अमरपुर मो.नं. 9691264631 और शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय डिंडौरी के लिए केंद्र अध्यक्ष प्राचार्य एस.के द्विवेदी मो.नं. 9424729700 एवं पर्यवेक्षक डॉ. पार्वती कुशराम शासकीय चंद्र विजय कॉलेज डिंडौरी मो.नं. 8319304643 को नियुक्त किया गया है।

परीक्षा केंद्रों के लिए

बिजली चोरी मामले में विद्युत न्यायालय के निर्देश पर गिरफ्तार हुआ आरोपी

बिजली चोर की नहीं है खैर, करनी पड़ सकती है जेल की सैर

अनूपपुर।

सरकारें बिजली चोरी पर लगाम लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इतना ही नहीं, सरकार ने कई सख्त कानून भी बना रखे हैं। इसके बावजूद बिजली की चोरी पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही है। एक समय हुआ करता था जब ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को बिजली नसीब नहीं होती थी, लेकिन बिजली के मामले में अब गांवों की दशा में काफी सुधार आया है। ज्यादातर इलाकों में बिजली पहुंच चुकी है, हालांकि अभी भी ऐसे कुछ इलाके हैं जहां रहने वाले लोग अभी भी बिजली का इंतजार कर रहे हैं। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार के लिए भी बिजली की चोरी एक बड़ी समस्या रही है। सरकार बिजली चोरी पर लगाम लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार ने कई सख्त कानून भी बना रखे हैं परंतु बिजली चोरी करने वाले लोग तरह-तरह की तिकड़म लगाकर अभी भी धड़ल्ले से बिजली की चोरी कर हैं। शहरी इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग भी बिजली की चोरी में संलिप्त हैं, जिस पर विद्युत विभाग भी सख्त हो चुका है। विद्युत चोरी की स्थिति मे विभाग तत्काल पंचनामा तैयार करते हुये क्षतिपूर्ति राशि निकालती है जिसके जमा न होने पर मामले को विद्युत न्यायालय मे पेश किया जाता है और यदि बिजली चोर द्वारा यहां भी दाण्डिक राशि जमा नही की जाती है तो न्यायालय के आदेश पर उसे गिरफ्तार करते हुये जेल भेज दिया जाता है। ऐसे ही मामले मे ग्राम मौहरी (परसवार) निवासी धनीराम चौधरी पिता लक्ष्मण चौधरी के परिसर मे विद्युत चोरी पाये जाने पर 23.11.2022 को विभाग द्वारा पंचनामा बनाते हुये 4092 रूपये की क्षतिपूर्ति राशि निकाली गई थी जिसमें 09.12.2023 को आंशिक राशि 1000 रुपये जमा किया था इसके बाद बची राशि जमा नहीं किया गया वही अभी तक उसके द्वारा अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था तथा कोई कनेक्शन नहीं लिया था। जिस पर विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम अनूपपुर के न्यायालय में विशेष प्रकरण क्रमांक 28/2023 मे 31.01.2025 को गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया, जिसके परिपालन में थाना कोतवाली अनूपपुर द्वारा 12.02.2025 की सुबह 4 बजे बिजली चोर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

नियमानुसार बिजली के उपयोग की अपील

विभाग के अधीक्षण जीपी गोस्वामी व कार्यपालन अभियंता अरूणेन्द्र प्रसाद मौर्य ने कहा कि विद्युत की चोरी करना दण्डनीय अपराध है। उन्होने आम जनता से अपील की है कि नियमानुसार वैध विद्युत कनेक्शन लेकर ही विद्युत का उपयोग करे। उन्होने कहा कि बिजली चोरी एवं अवैध रूप से बिजली का उपयोग करना अपराध है। बिजली चोरी एवं अनधिकृत रूप से विद्युत का उपयोग करते पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी, इसलिए नियमानुसार कनेक्शन ही विद्युत का उपयोग करते हुये प्रतिमाह देयक राशि का भुगतान समय पर करें।

ये कैसा अभियान, कूड़ा बनी नगर पालिका की पहचान

सार्वजनिक स्थानों पर लगे रहते कूड़े के ढेर

नगर पालिका अनूपपुर में स्वच्छता अभियान चलाए जाने के दावे चाहे जो भी करे लेकिन सच्चाई यह है कि पूरा शहर कूड़े के ढेर से पटा हुआ है। शहर भर के सभी नाले व नालियां गंदगी से इस कदर बजबजा रहे हैं कि उनसे उठने वाली दुर्गंध से लोगों का जीना हराम है। घनी आबादी वाले इलाकों का हाल तो और भी ज्यादा खराब है। कहने को पालिका प्रत्येक वार्ड में रोस्टर के हिसाब से साफ सफाई अभियान चलाए जाने की बात कह रही है लेकिन उसका स्वच्छता अभियान केवल पोस्टर फ्लैक्स पर ही दिख रहा है जमीनी कुछ और बयां कर रही है। दूसरी ओर नपा स्वच्छता अभियान पर अपनी पीठ खुद थपथपाकर अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रही है वही नगर पालिका नगर के हर महिला, पुरूष, बच्चे, बूढ़े सबको देख देख देख तू यहां वहां न फेंक ... गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल ... का गाना ही सुना रही है और नगर मे कचरो ढेर लगा हुआ है।

अनूपपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान नगर पालिका अनूपपुर में दिखावटी बनकर रह गया है। न केवल सरकारी तंत्र इसमें अरुचि दिखा रहा है, बल्कि स्वयंसेवी संस्थाओं में भी स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने संबंधी उत्साह नहीं दिख रहा है वही नगर पालिका का सफाई अमला व उसके सिपलसालार पता नही कहां रहते हैं। एक ओर पूरा नगर गंदगी से पटा हुआ है वही दूसरी ओर सफाई के जिम्मेदार घोड़े बेचकर सो रहे हैं। यहां सिर्फ बैनर पोस्टरो, गानो तक ही सफाई अभियान सीमित है जिसके लिए बेहिसाब खर्च किया जा रहा है, लेकिन स्वच्छता के प्रति हकीकत इससे कोसों दूर है।

पोस्टर, बैनर में कर रहे पैसों की बर्बादी

नगर पालिका अनूपपुर मे मनमानी का आलम इस कदर व्याप्त है कि सिर्फ यहां दिखावा करना सबको आता है हकीकत मे जमीनी स्तर पर काम करना तो जैसे यहां के जिम्मेदार सीखे ही नही हैं। जगह-जगह पोस्टर लगाकर सिर्फ सफाई अभियान का संदेश देना जिम्मेदारो के फितरत मे है। सीएमओ भी नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने मे अपनी महती भूमिका अदा नही कर पा रहे हैं दूसरी ओर अध्यक्ष की कुर्सी पर विराजमान चेयरमैन साहिबा तो चेयरमैन ही हैं। रही बात सफाई के जिम्मेदार अधिकारी की तो उनकी बात ही निराली है जहां से कुछ मिलने का जुगाड़ होता है वहीं सफाई होती है बाकी लोग तो जैसे भूत हैं। जमीनी स्तर पर कार्य न कर सिर्फ पोस्टर मे सफाई व्यवस्था कितनी जायज है समझ से परे है। पोस्टरो पर किये जा रहे खर्चो को यदि सफाई व्यवस्था मे गंभीरता से लगा दिया जाये तो नगर मे सफाई की स्थिति बदल सकती थी, लेकिन ऐसा होते नही दिख रहा है।

संक्रामक रोग की आशंका

गली मोहल्ले में जगह जगह फैले कूड़े व कचरे के कारण डायरिया, वायरल फीवर, डेंगू, स्वाइन फ्लू, मलेरिया, टायफाइड जैसे रोग इसी गंदगी के कारण शरीर को जकड़ सकते हैं। नगरवासियों का कहना है कि साफ सफाई की जिम्मेदारी तो नगर पालिका के स्वास्थ्य अमले पर होती है। वहां के सफाई कर्मी सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से करने के लिए जिम्मेदार भी होते हैं। दिखावे के लिए कुछ जगह नगर पालिका ने जो डस्टबिन रखे हैं उनमे नीचे का भाग टूट गया है जिससे उसमे डालने वाला कचरा फिर जमीन मे आ गिरता है जिससे डस्टबिन रखने व न रखने का कोई अर्थ नही है।

जन सहभागिता भी आवश्यक

नगर पालिका के साथ ही आम लोगों को भी गंदगी न फैले इसके लिए संजीदा होना होगा। आम लोगों को चाहिए कि वह अपने आसपास सफाई रखने को निश्चित स्थान पर कूड़ा डालें। पालीथिन का प्रयोग कम से कम करें। इससे नालियों में चोक होने और सड़क पर कूड़ा फैले होने की समस्या खत्म हो जाती है। यदि लोग इस दिशा में कुछ अपना व्यक्तिगत योग दें तो निश्चित रूप से शहर को सुंदर बनाया जा सकता है। जब भी नपा के अधिकारी व परिषद के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से बात की जाती है एक ही जवाब मिलता है कि हम दिखवाते हैं। आखिर कब दिखवाएंगे और जनता कब देखेगी।

ट्रिपल इंजन की सरकार, फिर भी बुरा हाल

जिला मुख्यालय के नगरपालिका के हालात इतने बदतर है कि पार्षदों के तो भगवान ही मालिक है अपनी अपनी सेटिंग के हिसाब से अपना अपना रुतवा दिखाने में सब मशगूल नजर आते है जबकि शहर के हालात कहीं से भी जिला मुख्यालय जैसे नही दिख रहे, जगह जगह कचरा तो सड़को पर गंदा पानी शहर की आबो हवा खराब कर रहा है। सबसे बुरे दौर से गुजर रही नगरपालिका अनूपपुर आखिर कब लोगों को कम से कम सड़क नाली और पीने का पानी सहित दुरूस्त सफाई व्यवस्था मयस्सर करा पाएगी राम ही जाने। केन्द्र सहित प्रदेश व नगरपालिका में सत्ता पक्ष भाजपा काबिज है, फिर भी विकास क्यों नही पैदा हो रहा समझ से परे है। जैतहरी, कोतमा, भालूमाड़ा, बिजुरी, अमरकंटक जैसा विकास पैदा होने में कौन सा ग्रहण लगा हुआ है। यहां के कुछ पार्षद तो ऐसे है कि जिस वार्ड से जीत कर सत्ता की कुर्सी पर विराजमान हुए है उसी वार्ड की जनता को भूतकाल समझ अपना वर्तमान देखने मे लग गये है

शासकीय तुलसी महाविद्यालय को मिला नैक मूल्यांकन में बी प्लस ग्रेड

अनूपपुर। जला मुख्यालय स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय में विगत दिनो राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद की पीयर टीम ने महाविद्यालय के विभिन्न गुणवत्ता मानकों का विधिवत मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन प्रक्रिया में देश केअलग-अलग ख्यातिलब्ध संस्थाओं से तीन विशेषज्ञों की टीम आई थी। इस दौरान नैक पीयर टीम ने महाविद्यालय के सात प्रमुख मूल्यांकन मापदंडों जिनमें शैक्षणिक पाठ्यक्रम के पहलू, शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन, शोध नवाचार एवं विस्तार गतिविधियां, इंफ्रास्ट्रक्चर और लर्निंग संसाधन, छात्र सहायता एवं प्रगति, गवर्नेंस लीडरशिप और प्रबंधन, संस्थागत मूल्य और बेस्ट प्रैक्टिसेज से सम्बंधित समस्त पहलुओं की विधवत जांच किया। साथ ही महाविद्यालय के समस्त विभागों, प्रकोष्ठों, इकाइयों और स्थापना शाखा, छात्रवृत्ति शाखा, लेखा शाखा, परीक्षा शाखा, एनसीसी, एनएसएस एवं स्पोर्ट्स की गतिविधियों तथा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों जैसे प्लेसमेंट एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम आदि का भी जाँच किया गया।

एक माह तक चलेगा दस्तक अभियान अभियान के लिए जिला स्तर पर की गई कार्यशाला

अनूपपुर। जिले के बच्चों को विटामिन ए का घोल एवं एनीमिया के इलाज के लिए 18 फरवरी से 18 मार्च तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. वर्मा ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के 75195 बच्चों को कवर किया जाएगा। दस्तक दल द्वारा 09 माह से 05 साल के बच्चों को विटामिन ए का घोल पिलाया जाएगा। जिले में विटामिन ए अनुपूरण राउंड का आयोजन 18 से जिले में विटामिन ए अनुपूरण राउंड एवं पिछले दस्तक अभियान में चिह्नित अनिमिक बच्चों के फालोअप के लिए दस्तक अभियान का आयोजन 18 फरवरी से 18 मार्च तक किया जाना है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय उन्मुखीकरण बैठक का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. वर्मा द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा गया कि विटामिन ए अनुपूरण राउंड एक महत्वपूर्ण अभियान है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 15 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

आदिवासी महिला से अत्याचार के मामले पुलिस की कार्रवाई सुस्त

नरसिंहपुर। पुलिस द्वारा जिले में अपराधों पर लगाम लगाने के लिये निरंतर कार्रवाई की जा रही है। लेकिन जिले मे अपराधों मे कमी नहीं आ रही है। कई ऐसे मामले है जिसमें पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर ठंडे बस्ते मे डाल दिये जाते है। ऐसा ही मामला क्षेत्र मुंगवानी का सामने आया जिसमें पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञात हो कि बीते दिनो थाना क्षेत्र मुंगवानी अंतर्गत निवासी महिला द्वारा विभिन्न धाराओं के तहत प्रकारण पंजीबद्ध कराया गया था जिस पर पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई के नाम पर मामले को लटकाया जा रहा है। वही पीड़ति पुलिस की कार्रवाई के इंतजार मे है आरोपी रसूखदार होने के कारण पीड़ति को डर भी बना हुआ है। वही पीड़ति की माने तो पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज करने के बाद कोई कार्रवाई नही की गई। लोगों को अंदेशा है कि ऐसा ना हो कि पीड़ति को डरा धमका कर मामले को दबा ना दिया जावे।

उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम आज

नरसिंहपुर। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश चयन परीक्षा 2025- 26 में कक्षा 9 वीं में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन राज्य सरकार की वेबसाइट में निर्धारित शुल्क 200 रुपये पोर्टल पर 15 फरवरी तक भरे जायेंगे।

नहर किनारे मिला युवक का शव पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

नरसिंहपुर। विगत दिवस की शाम हिनोतिया गांव के पास बड़ी नहर के किनारे 26 वर्षीय युवक का शव मिला है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। हालांकि उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। स्टेशन गंज थाना प्रभारी रत्नेश हिंगवे के अनुसार, मृतक के पास से जहर की खाली डिब्बी भी मिली है। मृतक की पहचान जरजोल निवासी अजय यादव के रूप में हुई है। थाना प्रभारी के अनुसार मृतक का एक युवती से प्रेम संबंध था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवती के परिवार ने शादी से मना कर दिया। इससे दुखी होकर अजय कुछ समय पहले पुणे चला गया था। बुधवार को वह नरसिंहपुर वापस लौटा और अगले ही दिन उसका शव मिला। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

पीएससी परीक्षा हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित

नरसिंहपुर। जिले में राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 को आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण घटना की जानकारी प्राप्त होने पर उसकी सूचना कलेक्टर एवं आयोग को तत्काल देने के उद्देश्य से जिला परीक्षा नियंत्रण- एग्जाम कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिला परीक्षा नियंत्रण कक्ष- एग्जाम कंट्रोल रूम के लिए संयुक्त कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी नरसिंहपुर श्रीमती वंदना जाट ने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

कार की टक्कर से घायल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। डूंडासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रिझाई निवासी मुकेश इनवाती बाइक में सवार 1 होकर कहीं जा रहा था तभी बंडोल थाना अंतर्गत जबलपुर रोड स्थित सेंटर पॉईंट के सामने ऑल्टो कार चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक तेज गति से वाहन चलाकर बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मुकेश घायल हो गया। उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है।

टक्कर से बाइक सवार 2 घायल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। बंडोल थाना क्षेत्र में रोड़ क्रॉस कर रहे बाइक सवार दो लोगों को कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु निवासी इनोवा कार क्रमांक के 02 एमसी 6588 में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे तभी हाइवे मार्ग स्थित गोरखपुर चौक में सडक़ पार कर रही एक बाइक को उनकी कार ने टक्कर मार दी।

वन विभाग की सुस्ती बढ़ा रही संदेह

तीन सप्ताह बाद भी डिपो नहीं पहुंचा जब्त हुआ सागौन

बीते दिनों वन विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई कर सागौन जब्त किया गया था। उक्त कार्रवाई में वन विभाग द्वारा कागजी कार्रवाई पूर्ण कर जब्ती हुआ सागौन का नापतौल कर आरोपी के स्थान पर ही छोड़ दिया गया। जिस पर वन विभाग द्वारा वाहन ना होने की बात कही गई थी। लेकिन तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी जब्ती हुआ सागौन ना उठाना वन विभाग के प्रति लोगों के संदेहो को बढ़ा रहा है।

नरसिंहपुर

सरकार द्वारा वनो को बचाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे है। लेकिन वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण वनों की आए दिन कटाई होती रहती है और वन विभाग की लापरवाही का दंश लोगों को भोगना पड़ता है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय मे सामने आया जहां पर पुलिस को सूचना मिलने पर सागौन जब्ती कार्रवाई वन विभाग से कराई गई लेकिन तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा जब्त किये गये सागौन को डिपो तक नहीं लाया गया। जिससे लोगों को वन विभाग की कार्य प्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न हो रहा है।

मामला इस प्रकार

बीते 24 जनवरी को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की अवैध सागौन काट कर लाया गया है सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सागौन को पकड़ा तथा कार्रवाई के लिये वन विभाग को दिया गया। विभाग द्वारा मौके पर पहुंच कर वन अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध सागौन को जब्ती मे लिया। वन विभाग द्वारा मौके पर सागौन की जब्ती बनाकर सागौन को वही छोड़ दिया जिस पर वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वाहन ना होने के कारण सागौन उठाकर नही लाया गया।

इतना सागौन हुआ था जब्त

मिली जानकारी के अनुसार स्टेशनगंज निवासी योगेन्द्र सिंह पटेल के यहां वन विभाग द्वारा कार्रवाई के दौरान वन अधिनियम के तहत प्रकरण तैयार कर सागौन की जब्ती बनाई गई थी जिसमें सागौन के लगभग 25 लठ्ठा, 23 चिरान, 5 नग सोफे के तैयार किये जा रहे फ्रेम, 1 दरवाजा मिला जिसकी जब्ती की गई। जबती के बाद सागौन को उक्त स्थान पर ही छोड़ दिया गया लेकिन वन विभाग द्वारा तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी सागौन को उठा कर डिपो ला पाना चिंता को विषय है सूत्रों की माने तो आरोपी सागौन के व्यापार मे लंबे समय से कार्य कर रहा है कही ऐसा हो हो जब्ती किये गये सागौन मे भी हेरफेर कर दिया जावे।

आरोपी ने लोकायुक्त से कराई थी कार्रवाई

सूत्रों की माने तो बीते वर्ष आरोपी द्वारा गोटेगांव मे पदस्थ्य वन परिक्षेत्र अधिकारी को रिश्वत लेते हुये लोकायुक्त से पकड़वाया गया था। आरोपी लंबे समय से सगौन के व्यापार में कार्य कर रहा है। वन विभाग से टीपी लेकर लकड़ी उठाना तथा विक्रय का कार्य किया जाता है। वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में उक्त अवैध सागौन पकड़ा गया इसके पूर्व भी अनेकों बार आरोपी द्वारा उक्त कार्य को किया गया होगा यह संदेह भी बना हुआ है। वन विभाग को चाहिए कि मामले की सूक्ष्मता से जांच कर आरोपी पर ठोस कार्रवाई करें जिससे अवैध सागौन कटाई पर रोक लग सके।

इनका कहना है

उक्त कार्रवाई के दौरान जब्त में माल को डिपो क्यो नही लाया गया यह मेरी जानकारी में नही है मै इसकी जानकारी लेता हूं जब्ती माल मे परिवर्तन नही हो सकता है।

लवित भारती,
डीएफओ

जब्ती कार्रवाई के बाद वाहन ना होने के कारण माल उठाकर नहीं लाया गया था एवं उसके बाद मैं अवकाश पर था आज ही अवकाश से लौटा हूं।

प्रहलाद कुमार प्यासी,
रेंजर

रासेयो शिविर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

नरसिंहपुर। शिक्षण संस्थान एम.आई.एम.टी कॉलेज मे संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की पुरुष एवं महिला इकाई के द्वारा ग्राम खैरी मे सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन दिनांक 10 से 16 फरवरी तक किया जा रहा है। शिविर के पंचम दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रथम चरण में प्रभात फेरी, ध्वजवंदन के साथ योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता ठाकुर उपाध्यक्ष जिला पंचायत, राजेन्द्र ठाकुर प्रतिनिधि उपाध्यक्ष जिपं एवं रिया जाट सरपंच की विशेष उपस्थिति में महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ने नारी सशक्तिकरण पर बल देते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका तथा समाज के उत्थान को निरूपित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों द्वारा नारी सशक्तिकरण विषय पर अपने सारगर्भित विचार रखे गये। शिविरार्थी छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान नर्मदा जल संरक्षण विषय पर नाटक प्रस्तुत किया तथा नर्मदा जल संरक्षण हेतु संकल्प दिलाया। स्वयंसेवकों द्वारा देष के आठ राज्यों की संस्कृतियों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। शासकीय मा. शाला खैरी के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम का संचालन सौम्या द्विवेदी, रिद्धी श्रीवात्री, अनुजा जैन एवं आभार रासेयो पुरूष इकाई कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रप्रकाश गुप्ता द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर शिक्षिका सुषमा सेन, कल्पना झारिया, दिव्या श्रीवास्तव, अजीत सराठे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मातृशक्ति उपस्थित रही। आज शिविर षष्टम दिवस पर जिला होमगार्ड द्वारा आपदा प्रबन्धन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा। उसके उपरान्त शिविर का समापन एवं पुरस्कार वितरण किया जावेगा।

संत सनकादिक महाराज का आगमन आज

नरसिंहपुर। महाकुंभ के एक माह प्रवास के पश्चात श्री श्री 1008 अनंत विभूषित राष्ट्रीय संत श्री सनकादिक जी महाराज (चित्रकूट धाम) आज रात्रि ब्रह्मांड घाट आयेंगे। बरमान में रात्रि विश्राम के पश्चात 15 फरवरी शनिवार को दोपहर में श्री देव सिद्ध बाबा मंदिर, बायपास रोड, नरसिंहपुर में महाराज श्री का आगमन होगा एवं 19 अप्रैल में प्रस्तावित श्री राम महायज्ञ के संबंध में उक्त स्थल पर शाम 4 बजे से बैठक रहेगी। शिष्य मंडल ने सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध है कि महाराज श्री के दर्शन एवं बैठक में पधारें।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को दोहरा कारावास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ श्रीमती अंजली पारे के न्यायालय द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रकरण में आरोपी पप्पू उर्फ विजय आत्मज पहलाद सिंह अहिरवार आयु 33 वर्ष, हाल निवासी ग्राम भौरगढ़, थाना सांईखेड़ा, जिला नरसिंहपुर अन्य पता ग्राम दिघावन, थाना देवरी, जिला रायसेन (म.प्र.) को दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी को धारा- 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5000- जुर्माना तथा धारा- 3/4 की उपधारा(2) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5000- जुर्माना सें तथा भादवि की धारा 506 (भाग-दो) में 03 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1000- जुर्माना से दंडित किया गया। अभियोक्त्री की रिपोर्ट पर आरक्षी केंद्र गाडरवारा में अपराध क्रमांक 00/2024 धारा 376, 376(3), 376(2)(एन), 506 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 5(एल)/6 के अंतर्गत देहाती नालसी लेखबद्ध की गई, जिसके आधार पर आरक्षी केन्द्र सांईखेडा में अपराध क्रमांक 75/2024 पर प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की जाकर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अभियोक्त्री का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। अनुसंधान के दौरान अभियोक्त्री एवं साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये एवं जप्ती कार्यवाही उपरांत आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा अन्य आवश्यक अन्वेषण एवं कार्यवाही उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से प्रस्तुत किए गए साक्षी जिसमें अभियोक्त्री के माता-पिता की साक्ष्य महत्वपूर्ण एवं विश्वसनीय मानते हुये एवं चिकित्सक द्वारा न्यायालय में दिये गये साक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए तथा चिकित्सीय साक्षी द्वारा दिये गये साक्ष्य के समर्थन में आई हुई डी.एन.ए. रिपोर्ट को निश्चयात्मक साक्ष्य मानते हुये आरोपी को दोषी सिद्ध पाते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी को उक्त सजा सें दंडित किया।

ईको क्लब द्वारा जीवनशैली पर आधारित कार्यशाला आयोजित

नरसिंहपुर।

विगत दिवस पर्यावरण विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल तथा पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देशन में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सतत जीवनशैली कार्यशाला का आयोजन शा.उ.मा.वि. भैसापाला की प्रेरणा इको क्लब इकाई द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्राचार्य आर के श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के प्रभारी गगन कुमार कोरी ने बताया मानवीय गतिविधियों तथा पर्यावरण परस्पर एक दूसरे के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखती है। उन्होने सिंगल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा मातन और जीयो पर होने बाले प्लास्टिक के दुष्प्रभावो के बारे में छात्रों को अवगत कराया। इसी उद्देश्य को समझाने के लिए कागज की छोटे-छोटे वेग कपड़े की थैली, केले तथा पलाश के पत्तों से दोना-पत्रल, वॉटर पाम के पत्तों से चटाई, नारियल नट्टी से कप निर्माण आदि हस्तनिर्मित कार्य छात्रों के द्वारा किए गये। मुख्य अतिथि के रूप मै कार्यशाला में उपस्थित हुए सतत प्रगतिशील स्थानीक कृषक नरवदी प्रसाद कुशवाहा द्वारा जल संरक्षण, कृषि के परंपरागत तरीके तथा सतत कृषि प्रणाली को करने के तरीको से छात्रों को अवगत कराया। प्रमुख वक्ता के रूप में विजय सिंह करेलिया ने छात्रों को जैविक खेती करने, घर पर जैविक खाद्य निर्मितकर तथा इसके द्वारा होने वाले लाभों की जानकारी छात्रों की प्रदान की है। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यशाला में उपस्थित शीतल प्रसाद पटेल ने जैव विविधता के महत्व को वहघले हर इसे संरक्षित करने को कहा। विगत 10 वर्षों से कार्यरत शीतल प्रसाद पटेल ने अपनी कृषि कार्य करने की शैली तथा अनुभव से छात्रों के साथ साझा किए। कार्यशाला के अध्यक्ष प्राचार्य आर. के. श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित करते हुए दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का संचालन संचालन रोहित जाटव ने किया। कार्यशाला के अंत में सह-भागी छात्र-छात्राओं को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदाय की गयी इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र उपस्थित रहे।

खंडहरों में चल रही अनैतिक गतिविधियां

परिसम्पत्तियों का नहीं हो रहा उचित दिशा में उपयोग

तेंदूखेड़ा नगर परिषद तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों की परिसंपत्तियों पर संबंधित विभागों द्वारा उचित तरीके से रखरखाव न हो पाने के कारण इन परिसम्पतियों पर जहां लोगों ने कब्जा कर लिया है। खंडहर पड़े भवन अनैतिक गतिविधियों के अड्डे बने हुए हैं। इनके उचित रखरखाव को लेकर अनेक बार समाचार पत्रों के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराया गया लेकिन आज तक उचित कार्रवाई नहीं होने से स्थिति ज्यों की त्यों बनीं हुई है।इन परिस्थितियों का सार्थक दिशा में उपयोग होने से जहां परिषद् की आय बढ़ेगी वहीं लोगों को व्यवसाय करने की दिशा में मौका भी मिलेगा। इन परिसम्पत्तियों में जहां पुरानी अस्पताल का खंडहर भवन पुराने बस स्टैंड के पीछे तरफ कृषि और स्वास्थ्य विभाग के आवासीय परिसर पड़े हुए हैं वहीं मुख्य मार्ग पर शिक्षा विभाग के भवन और लोक निर्माण विभाग के भवन भी गंभीर स्थिति में पहुंच गए हैं। इन भवनों की स्थिति यह बनीं हुई है कि नगर परिषद बनने के पूर्व ही ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड में छेड़खानी करके इनके रिकॉर्ड ही अलग कर दिए गए हैं। जिस कारण से संबंधित विभाग के अधिकारी पूरी दम से कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाते हैं।

राजस्व रिकॉर्ड से ही विलुप्त हो गई सड़कें

तेंदूखेड़ा में रातों रात बड़े आदमी बने कुछ ऐसे लोगों ने सड़कों पर कब्जा कर उन पर आलीशान भवन निर्माण कर लिए और कुछ समय बाद मौका पाकर लाखों रुपए में भवन बेच भी दिए गए।

चूंकि राजस्व रिकॉर्ड में कुछ समय तक यह सड़कें दिखती रहीं लेकिन धीरे-धीरे अधिकारियों कर्मचारियों की सांठगांठ से लोगों ने इन पर अतिक्रमण कर लिया और अब यह सड़कें विलुप्त हो गई हैं। बुजुर्गों और नगर के बुद्धिजीवियों ने एक बार फिर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इन पुरानी परिसंपत्तियों और नगर के विभिन्न सड़क मार्गों की विधिवत नापजोख करवाकर खाली करवाई जाएं।

सार्थक दिशा में हो उपयोग

नगर परिषद तेंदूखेड़ा द्वारा पूर्व में भी नगर की इन सभी परिसम्पतियों को परिषद के अधीन करने हेतु लिखा पड़ी की लेकिन अभी तक सार्थक दिशा में पहल नहीं हो पा रही है।इन खंडहरों का सार्थक दिशा में उपयोग होने से व्यावसायिक काम्प्लेक्स बनाकर बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे वहीं अनैतिक गतिविधियों पर विराम लगने के साथ परिसर अच्छे लगने लगेंगे।

खमरिया में चर्म रोग कुष्ठ विकृति बचाव शिविर आयोजित

तेंदूखेड़ा - राष्ट्रीय कुष्ठ उन्नमूलन कार्यक्रम के अंतर्गत चलाये जा रहे कुष्ठ पखवाड़ा जागरूकता अभियान के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एस. ठाकुर एवं जिला कुष्ठ अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. राजकिशोर पटैल के मार्गदर्शन में शुक्रवार को ग्राम पंचायत भवन खमरिया में विशेष कुष्ठ रोगी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 58 लोगों की जांच की गई इसके अलावा प्राथमिक

स्वास्थ्य केन्द्र स्तर से आये 30 उपचाररत उपचार मुक्त हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन कार्य सूक्ष्मता से किया गया। जिले से विशेष प्रशिक्षित कुष्ठ ईकाई टीम द्वारा परामर्श विकृति से बचाव हेतु जल तेल उपचार पति सूक्ष्मता से हितग्राहियों को सिखलाई गई। बतलाया गया कि कुष्ठ लाइलाज बीमारी नहीं है। यह वैटेरिया से होने वाली बीमारी है। अगर शरीर पर तांबे की रंग की तरह दाग दिखाई दे तो तुरंत चिकित्सक से सम्पर्क करें। अतः कैम्प में समापन के दौरान पात्र कुष्ठ हितग्राहियों को टप-पदरक्षक सैंडिल सेल्फ केयर किट वितरित की गई। शिविर में लेप्रोशी टीम के कार्यकर्ता स्वास्थ्य से सीएचओ सेक्टर सुपरवाईजर आशा और आशा सुपरवाईजर, एएनएम एवं ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि मौजूद रहे।